

Item Code: 64

Participant Code: 113

जब भी वो पास

गा में मक निराश लडका नुस्ने हैं सुद्भे बदला जाव आगाणे नुम पास मेरे, ंतीने का नपा प्रतीक्षा मिला। अव तो आ पास मेरे प्यारे। मेरा दिला है तुम्हें चाहमा। मोहळात में पत्य गामे, इस विचारे । आखिर थी नुम बहुत स्वूबस्परत । मेरे आरवे चाहने देखना मुम्हें, मन मेरा चाहता, हो तम पास। अलिका वस कथी ना बोलो पारी: त्रमहारे विमा रह मा में सकता। नर लिम हूं में जीता रोजा। मेरे सात ही है मुझे जीना । भेरे जार को कभी ना नोडो क्युकि ई त्यार मेरा स्नन्या।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).



Item Code: 641

Participant Code: 113

णाद है मुझे पुराने समाप ,
जब थे हम दोनों दोसा।
पर,पता ना आणा केव प्यार,
जियन दिल को वच्चे जैसा किया।
नुम मही जी, नशे से कम,
ं तो नशा; जो कभी ना जाया।
ं जन ज़िन्द्गी ने दिपा दुख़
तरे नशे ने करा खुश
मेरे पास होना चाहना हमेशा ,
वस नुम्ने ही किया मुझे प्यार ।
अकेला में भी भक्ता।
ार्डम्हारा त्यार गा में चाहना ।
लेकिन, अव क्या हो गांगा ?
नुम ना रही मेरे पास ।
शत को नींद मा उत्र आता,
ा निकापा होता आसू से जीला।

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item	Code	69	-1	
Item	Code:	************		

Participant Code: 113

मुक्त कहा, गा में बहुत दुरा।
. आखिर : था क्या में बुरा ?
मुझे चाहिम व्या वस चार तेरा।
पर अव मा हो नुस इस दुनिया में।
हाँ, बोल दिया उसमे अलिवा ।
सपी मुझसे मा, सबसे कहा ।
किल में अब भी बोलना उससे,
"पास आ जा भेरे व्यारें।"

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

Page No: 03